



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 24 सितम्बर, 2003/2 आश्विन, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कारण वताओ नोटिस

चम्बा-176310, 10 सितम्बर, 2003

संख्या पंच-ए० (16)10/79-02-II-1147-1151.—एतद्वारा श्री कमलजीत, पी० सी० सदस्य, ग्राम पंचायत औसल, विकास खण्ड भटियात, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन), 2000, (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड १ की ओर आकृष्ट किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)।

परन्तु खण्ड (१) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (१) का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001

के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी, भटियात के पत्र संख्या 1999, दिनांक 31-8-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया जाता कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत औरसल के जन्म परिवार रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 21, दिनांक 2-6-2003 के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 2-6-2003 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है। क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाती है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

चम्बा-176310, 10 सितम्बर, 2003

संख्या पंच-ए० (16)10/79-2002-II-1142-1146.—एतद्वारा श्रीमती पिकी देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत काहरी, विकास खण्ड भटियात, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन), 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)।

परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं है, जिसके, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) का प्रावधान दिनांक 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी, भटियात के पत्र संख्या 1995, दिनांक 31-8-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत काहरी के जन्म परिवार रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 4, दिनांक 12-2-2003 के अन्तर्गत दर्ज है, जिसका जन्म दिनांक 27-1-2003 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है, क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाती है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

चम्बा-176310, 10 सितम्बर, 2003

संख्या पंच-ए(16)10/79-02-II-1152-1156.—एतद्वारा श्रीमती दुर्गी देवी, सदस्य-5, ग्राम पंचायत कुडू, विकास खण्ड भटियात, जिला चम्बा का ध्यान हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम (संशोधन)

2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ग की ओर आकृष्ट किया जाता है।

(यदि उनके दो से अधिक जीवित सन्तान हैं)

परन्तु खण्ड ग के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड ग का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-01 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान हैं तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के पत्र सं० 1995 दिनांक 31-8-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत कुडनू के जन्म परिवार रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 13, दिनांक 6-11-02 के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 6-11-02 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी तीसरी सन्तान है, जो कि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ग के अन्तर्गत अयोग्य हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जावे।

चम्बा-176310, 10 सितम्बर, 2003

संख्या पंच-ए(16)10/79-02-II-1157-1161.-एतद्द्वारा श्री देश राज वाडं पंच-2, ग्राम पंचायत घटासनी, विकास खण्ड भटियात, जिला चम्बा का ध्यान हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ग की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान हैं)

परन्तु खण्ड ग के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड ग का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान हैं तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी भटियात के पत्र सं० 1995 दिनांक 31-8-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत घटासनी के जन्म परिवार रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 5 दिनांक 26-3-2003 के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 14-3-2003 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है, जो कि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ग के अन्तर्गत अयोग्य हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें ताकि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में जाए।

चम्बा-176310, 10 सितम्बर, 2003

क्रमांक पंच-ए०(16)10/79-02-II-1162-1166.—एतद्वारा श्रीमती कान्ता देवी, सदस्य, ग्राम पंचायत गडाना, विकास खण्ड भटियात, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकृष्ट किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्ताने हैं)

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि की पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी भटियात ने पत्र सं० 1995, दिनांक 31-8-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत गडाना के जन्म परिवार रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या..... दिनांक 21-3-2003 के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 21-3-2003 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्य हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जावे।

चम्बा-176310, 10 सितम्बर, 2003

संख्या पंच०-ए०(16) 10/79-02-II-1167-1171.—एतद्वारा श्री कुबेर सिंह, वार्ड सदस्य, ग्राम पंचायत हिमगिरी, विकास खण्ड सलूणी, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन), 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकृष्ट किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्ताने हैं)

परन्तु खण्ड (7) के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (7) का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001

के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने से पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के प्रयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी, सलूणी के पत्र संख्या 1300, दिनांक 21-7-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत हिमगिरि के जन्म परिवार रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 1 दिनांक 6-1-2002 के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 4-1-2002 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्य हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जावे।

चम्बा, 10 सितम्बर, 2003

क्रमांक-पंच-ए० (16) 10/79-02-II-1172-1176.—एतद् द्वारा श्री वरफी राम उप-प्रधान, ग्राम पंचायत सांह, विकास खण्ड भरमौर, जिला चम्बा का ध्यान, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निरहता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के प्रयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी भरमौर ने दिनांक..... के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत के जन्म परिवार रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 36 दिनांक 30-5-2002 के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 27-7-2001 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी तीसरी सन्तान है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्य हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 131(क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

चम्बा, 10 सितम्बर, 2003

क्रमांक-पंच-ए० (16) 10/79-02-II-1137-1141—एतद् द्वारा श्रीमती गिलमो वाई सदस्य, ग्राम पंचायत वलेरा, विकास खण्ड भटियात, जिला चम्बा का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निर्हता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी के पत्र संख्या 2894, दिनांक 29-8-2003 के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत वल्लेरा के जन्म परिवार रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 2 दिनांक 10-8-2003 के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 27-7-2003 को हुआ है। इस प्रकार यह आपकी चौथी सन्तान है, जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्य हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप पत्र प्राप्त के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

चम्बा-176 310, 16 सितम्बर, 2003

संख्या पंच-ए० (16)10/79-02-II-1185-89.—एतद्वारा श्री कर्मों बोर्ड सदस्य गलू, ग्राम पंचायत बख्तपुर, विकास खण्ड मेहला, जिला चम्बा का ध्यान हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम (संशोधन) 2000 (2000 का अधिनियम संख्या-18) के अन्तर्गत हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 2000 की धारा 122 की संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 की ओर आकर्षित किया जाता है।

(यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है)।

परन्तु खण्ड 7 के अधीन निर्हता उस व्यक्ति को लागू नहीं है जिसके यथास्थिति हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 दिनांक 8-6-2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड 7 का प्रावधान 8-6-2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8-6-2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन के अयोग्य होगा। खण्ड विकास अधिकारी ... दिनांक ... के द्वारा प्रेषित जांच रिपोर्ट में सूचित किया है कि उसके 8-6-2001 के पश्चात् एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत बख्तपुर के जन्म परिवार रजिस्टर के रजिस्ट्रीकरण संख्या 149, दिनांक ... के अन्तर्गत दर्ज है जिसका जन्म दिनांक 22-6-2002 को हुआ है इस प्रकार यह आपकी पांचवीं सन्तान है, जोकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड 7 के अन्तर्गत अयोग्यता हो जाता है।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप पत्र प्राप्त के 15 दिनों के भीतर-भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

राहुल आनन्द (भा० प्र० से०),  
उपायुक्त,  
चम्बा, जिला चम्बा (हि० प्र०)।